

जनपथ दर्शन आंचलिक

बड़ामलहरा में खाद की समस्या को लेकर किसानों ने हाईवे किया जाम

जनपथ दर्शन। संवाददाता

बड़ामलहरा 07 नवम्बर 2021।

रबी फसल की बोकी के लिए क्षेत्र के किसान परेशान हो रहे हैं लेकिन सोसायटीयों में पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं पहुंचने से आए दिन हंगामा एवं विरोध की स्थिति उत्पन्न हो रही है। शनिवार की दोपहर भी तहसील के सामने किसानों ने खाद को लेकर हंगामा कर दिया।

गुस्साए किसानों ने नेशनल हाईवे पर चक्राजाम किया। किसानों के चक्राजाम से हाईवे पर वाहनों का जमावड़ा लग गया। आपको बता दें कि खाद की किल्टकों के लेकर किसानों का गुस्सा फूटने लगा है।

जब किसानों ने हाईवे पर चक्राजाम किया तो दोनों ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं और किसानों की भीड़ बढ़ती गई। करीब एक घंटे तक हाईवे

जाम रहने से आवागमन पूरी तरह बंद रहा।

मौके पर पहुंचे एसडीएम- मौके

पर पहुंचे एसडीएम विकास कुमार

आनंद ने किसानों को समझाइश

देकर जाम खुलवाया। इस मौके

सीधे किसानों को न देकर



पर एसडीओपी राजाराम साहू, व्यापारियों तक पहुंचाया जा रहा था। इसके चलते किसानों को सीधे खाद नहीं मिल पा रहा है। जिसके लिए टोको दिलाने और पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने का आशासन दिया। उधर कर्मचारियों की मानों तो प्रशासन ने सोसायटी स्तर से किसानों को खाद वितरण की व्यवस्था शुरू की है लेकिन सोसायटीयों में पर्याप्त खाद नहीं आ रहा है जिस कारण किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रहा है।

किसानों ने लगाए गंभीर आरोप- चक्राजाम कर रहे तो किसानों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि खाद की कालाबाजारी हो रही है। मंडी, गोदाम से खाद सीधे किसानों को न देकर

पर एसडीएम ने रेक आने की ओर

उम्मीद- वेयर हाउस से जुड़े हुए

कर्मचारियों से जानकारी मिली है कि अभी खाद की रेक नहीं आ रही है, 11 नवंबर को उम्मीद है कि

खाद की रेक आ सकती है और यह रेक आने पर सोसायटीयों के

पिछड़ रही है और प्रशासन की ओर

से कोरे आशासन प्राप्त हो रहे हैं।

11 नवंबर तक रेक आने की

उम्मीद- वेयर हाउस से जुड़े हुए

कर्मचारियों से जानकारी मिली है कि अभी खाद की रेक नहीं आ रही है, 11 नवंबर को उम्मीद है कि

खाद की रेक आ सकती है और यह रेक आने पर सोसायटीयों के

पिछड़ रही है और प्रशासन की ओर

से कोरे आशासन प्राप्त हो रहे हैं।

इनका कहाना है

मेरी ऊपर के स्तर के अधिकारियों

से बातचीत हो गई है। अगले तीन

दिनों में पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंच

जाएगी और किसानों को वितरण

करना पड़ रहा है। क्योंकि

विना खाद के खेती की बुवाई

थमने का नाम नहीं ले रही है।

पिछड़ रही है और प्रशासन की ओर

से कोरे आशासन प्राप्त हो रहे हैं।

इनका कहाना है

मेरी ऊपर के स्तर के अधिकारियों

से बातचीत हो गई है। अगले तीन

दिनों में पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंच

जाएगी और किसानों को वितरण

करना पड़ रहा है। क्योंकि

विना खाद के खेती की बुवाई

थमने का नाम नहीं ले रही है।

पिछड़ रही है और प्रशासन की ओर

से कोरे आशासन प्राप्त हो रहे हैं।

इनका कहाना है

मेरी ऊपर के स्तर के अधिकारियों

से बातचीत हो गई है। अगले तीन

दिनों में पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंच

जाएगी और किसानों को वितरण

करना पड़ रहा है। क्योंकि

विना खाद के खेती की बुवाई

थमने का नाम नहीं ले रही है।

पिछड़ रही है और प्रशासन की ओर

से कोरे आशासन प्राप्त हो रहे हैं।

इनका कहाना है

मेरी ऊपर के स्तर के अधिकारियों

से बातचीत हो गई है। अगले तीन

दिनों में पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंच

जाएगी और किसानों को वितरण

करना पड़ रहा है। क्योंकि

विना खाद के खेती की बुवाई

थमने का नाम नहीं ले रही है।

पिछड़ रही है और प्रशासन की ओर

से कोरे आशासन प्राप्त हो रहे हैं।

इनका कहाना है

मेरी ऊपर के स्तर के अधिकारियों

से बातचीत हो गई है। अगले तीन

दिनों में पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंच

जाएगी और किसानों को वितरण

करना पड़ रहा है। क्योंकि

विना खाद के खेती की बुवाई

थमने का नाम नहीं ले रही है।

पिछड़ रही है और प्रशासन की ओर

से कोरे आशासन प्राप्त हो रहे हैं।

इनका कहाना है

मेरी ऊपर के स्तर के अधिकारियों

से बातचीत हो गई है। अगले तीन

दिनों में पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंच

जाएगी और किसानों को वितरण

करना पड़ रहा है। क्योंकि

विना खाद के खेती की बुवाई

थमने का नाम नहीं ले रही है।

पिछड़ रही है और प्रशासन की ओर

से कोरे आशासन प्राप्त हो रहे हैं।

इनका कहाना है

मेरी ऊपर के स्तर के अधिकारियों

से बातचीत हो गई है। अगले तीन

दिनों में पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंच

जाएगी और किसानों को वितरण

करना पड़ रहा है। क्योंकि

विना खाद के खेती की बुवाई

थमने का नाम नहीं ले रही है।

पिछड़ रही है और प्रशासन की ओर

से कोरे आशासन प्राप्त हो रहे हैं।

इनका कहाना है

मेरी ऊपर के स्तर के अधिकारियों

से बातचीत हो गई है। अगले तीन

दिनों में पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंच

जाएगी और किसानों को वितरण

करना पड़ रहा है। क्योंकि

विना खाद के खेती की बुवाई

थमने का नाम नहीं ले रही है।

पिछड़ रही है और प्रशासन की ओर

से कोरे आशासन प्राप्त हो रहे हैं।

इनका कहाना है

मेरी ऊपर के स्तर के अधिकारियों

से बातचीत हो गई है। अगले तीन

द